DAINIK JAGRAN (05.10.2016)

'ओमकार' ध्वनि के महत्व से परिचित कराया

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच की ओर से 'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे।

हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्ष डॉ. आलोक दीप विशिष्ट अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा सहित संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी तथा सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्षा डॉ. सोनिया बंसल ने किया। प्रसिद्ध शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने संबोधन की शुरुआत 'ओम' उच्चारण से की तथा विद्यार्थियों को 'ओमकार' ध्वनि की प्रक्रिया एवं वैज्ञानिक महत्व से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। इसलिए, विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। कोठारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों से कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किए तथा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास जिस तरह से होता है, उसी तरह से उसके चरित्र का निर्माण होता है।

- वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान
- शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक होती है

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते शिक्षाविद् अतुल कोठारी। जागरण

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में चरित्र निर्माण को अहम बताया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के माध्यम से भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे अतुल कोठारी के प्रयासों की सराहना की। डॉ. आलोक दीप ने चरित्र निर्माण पर बल देते हुए कहा कि समाज में बढ़ते अपराध का मुख्य कारण चरित्र पतन है और अच्छे समाज के निर्माण के लिए अच्छे चरित्र का होना बेहद आवश्यक है।

AMAR UJALA (05.10.2016)

शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता जरूरी : कोठारी

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद मंच की ओर से व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है, इसलिए विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। कोठारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों के कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किए तथा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास जिस तरह से होता है, उसी तरह से उसके चरित्र का निर्माण होता है।

DAINIK BHASKAR (05.10.2016)

व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण शिक्षा का मुख्य आधार बनेः कोठारी

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच ने व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्ष डा. आलोक दीप विशिष्ट अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस मौके पर कुलसचिव डा. संजय कुमार शर्मा तथा काफी संख्या में संकाय सदस्य भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संयोजन युवा कल्याण के निदेशक डा. प्रदीप डिमरी तथा सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्ष डा. सोनिया बंसल ने किया।

इस दौरान कोठारी ने अपने संबोधन की शुरूआत ओम उच्चारण से करते हुए विद्यार्थियों को ओमकार ध्वनि की प्रक्रिया एवं वैज्ञानिक महत्व के बारे में बताया। कोठारी ने कहा कि शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। कोठारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों से संबंधित कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने कहा व्यक्ति का विकास जिस तरह से होता है, उसी तरह से उसके चरित्र का निर्माण भी होता है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कोठारी को स्मृति स्वरूप एक पौधा भेंट किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में चरित्र निर्माण को अहम बताया। उन्होंने कहा शिक्षा का मूल आधार व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण ही होना चाहिए। डा. आलोक दीप ने चरित्र निर्माण पर बल देते हुए कहा कि समाज में बढ़ते अपराध का मुख्य कारण चरित्र पतन है और अच्छे समाज के निर्माण के लिए अच्छे चरित्र का होना बेहद जरूरी है।

NAV BHARAT TIMES (05.10.2016)

‘ओमकार’ ध्वनि का महत्व बताया

■ वस, फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के विवेकानंद मंच की ओर से व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी इस मौके पर मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम में हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्ष डॉ. आलोक दीप विशिष्ट अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाइस चांसलर प्रो.दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार भी उपस्थित थे। शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने संबोधन की शुरुआत ‘ओम’ उच्चारण से कर स्टूडेंट्स को ‘ओमकार’ ध्वनि के वैज्ञानिक महत्व से परिचित करवाया।

YMCA में विवेकानंद मंच ने कराया कार्यक्रम

HINDUSTAN (05.10.2016)

एकाग्रता के लिए ओम का उच्चारण

फरीदाबाद| **वरिष्ठ संवाददाता**

जागरूकता

- वाईएमसीए में व्यक्तिव विकास एवं चरित्र निर्माण पर सेमिनार
- वक्ताओं ने समाज में बढ़ते अपराध का कारण चरित्र पतन बताया

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विवेकानंद मंच की ओर से मंगलवार को व्यक्तिव विकास एवं चरित्र निर्माण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यवक्ता के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मौजूद थे, जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्षा डॉ. आलोक दीप मौजूद थीं।

प्रसिद्ध शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने कार्यक्रम की शुरुआत ‘ओम’ उच्चारण से की। इसके बाद उन्होंने छात्रों को ‘ओमकार’ ध्वनि की प्रक्रिया एवं वैज्ञानिक महत्व के विषय में बताया। शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवशयक है। इसलिए, विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों से कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों को व्यक्तिव विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी। भारतीय शिक्षा में बदलाव एवं उत्थान पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे सामाजिक आवशयकताओं की पूर्ति हो और व्यक्तिव विकास एवं चरित्र निर्माण हो।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों के व्यक्तिव और चरित्र निर्माण को महत्वपूर्ण बताया।

PUNJAB KESARI-D (05.10.2016)

व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण बने शिक्षा का मुख्य आधारः कोठारी

वाईएमसीए में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को जानकारी देते शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी।

फरीदाबाद, 4 अक्तूबर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच द्वारा 'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य वक्ता रहे।

कार्यक्रम में हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्षा डा. आलोक दीप विशिष्ट अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डा. संजय कुमार शर्मा तथा काफी संख्या में संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डा.प्रदीप डिमरी तथा सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्षा डॉ सोनिया बंसल ने किया।

प्रसिद्ध शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने अपने संबोधन की शुरूआत 'ओम' उच्चारण से की तथा विद्यार्थियों को 'ओमकार' ध्वनि की प्रक्रिया एवं वैज्ञानिक महत्व से परिचित करवाया। श्री कोठारी ने कहा कि शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। श्री कोठारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों से कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किए तथा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास जिस तरह से होता है, उसी तरह से उसके चरित्र का निर्माण होता है। श्री कोठारी ने भारतीय शिक्षा में बदलाव एवं उत्थान पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो तथा व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण हो।

PUNJAB KESARI (05.10.2016)

'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा, ब्यूरोचीफ): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के विवेकानंद मंच द्वारा 'व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य वक्ता रहे।

श्री कोठारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हरियाणा महिला कल्याण संघ की अध्यक्षा डॉ. आलोक दीप विशिष्ट अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा काफी संख्या में संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी तथा सांस्कृतिक मामलों की अध्यक्षा डॉ. सोनिया बंसल ने किया। प्रसिद्ध शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने अपने संबोधन की शुरूआत 'ओम' उच्चारण से की तथा विद्यार्थियों को 'ओमकार' ध्वनि की प्रक्रिया एवं वैज्ञानिक महत्व से परिचित करवाया। श्री कोठारी ने कहा कि शिक्षा के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। इसलिए, विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए ओम ध्वनि का उच्चारण करना चाहिए। श्री कोठारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन प्रसंगों से कुछ रोचक उदाहरण भी प्रस्तुत किये तथा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण के लिए उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास जिस तरह से होता है, उसी तरह से उसके चरित्र का निर्माण होता है। श्री कोठारी ने भारतीय शिक्षा में बदलाव एवं उत्थान पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो तथा व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण हो।